PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A. BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (11.09.2024)

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE:11.09.2024, PAGE-05

बीआरएबीयू • अंतिम बार 2018 में हुआ था दीक्षांत समारोह, इसके बाद 2 साल डीम्ड डेट पर दी गई डिग्री

तीन सत्र के 3 लाख से अधिक छात्रों को नहीं मिल रही डिग्री, कन्वोकेशन को राजभवन की मंजूरी का इंतजार

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

सत्र 2021 से 2023 : पास आउट छात्रों को अभी यूनिवर्सिटी से मिल रहा प्रोविजनल

इस साल एक लाख छात्र और बढ़ जाएंगे

विश्वविद्यालय में इसी साल सत्र 2021-24 का फाइनल रिजल्ट भी जारी होना है। पिछले हफ्ते ही परीक्षा खत्म हुई है। जल्द मूल्यांकन शुरू कराकर रिजल्ट जारी करने की तैयारी है। एक लाख से अधिक परीक्षार्थी इसमें शामिल हुए हैं। ऐसे में पार्ट-3 का रिजल्ट जारी होने के बाद इन छात्रों को भी डिग्री का इंतजार शुरू हो जाएगा। हालांकि, छात्रों की परेशानी को देखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से अब मार्कशीट के साथ ही कॉलेजों में प्रोविजनल सर्टिफिकेट भेजने की योजना बनी है।

मंजूरी मिलते ही डिजीलॉकर पर अपलोड होगी डिग्री

राजभवन से कन्वोकेशन डेट मिलने के बाद सत्र 2021 और उसके बाद उत्तीर्ण छात्रों की डिग्री डिजीलॉकर पर भी अपलोड कर दी जाएगी। इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। अभी पिछले सत्रों का प्रोविजनल अपलोड किया जा रहा है। साथ ही जो पुराने छात्र डिग्री के लिए आवेदन कर रहे हैं, उनका डिजीलॉकर कराने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स लिए जा रहे हैं। अगले सत्र से परीक्षा फॉर्म भरने के लिए भी डिजीलॉकर और एबीसी आईडी अनिवार्य की जा रही है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में तीन सत्र के 3 लाख से अधिक स्टूडेंट्स डिग्री मिलने के इंतजार में हैं। डिग्री के बजाय विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें प्रोविजनल सर्टिफिकेट दिया जा रहा है। कन्वोकेशन के लिए राजभवन प्रस्ताव भेजा गया है। लेकिन, अब तक मंजूरी नहीं मिली है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि राजभवन से डीम्ड डेट मिल जाएगा, तो उसके आधार पर भी डिग्री जारी कर दी जाएगी। इसके लिए तीन बार विश्वविद्यालय से प्रस्ताव भेजा जा चुका है। लेकिन, राजभवन से इस पर कोई जवाब नहीं आया है। सत्र 2021 से 2023 तक स्नातक उत्तीर्ण छात्र डिग्री के लिए लगातार कॉलेज से विश्वविद्यालय तक का चक्कर लगा रहे हैं। परीक्षा विभाग की ओर से सत्र 2022 तक की डिग्री जारी की जा रही है। पिछली बार दीक्षांत समारोह वर्ष 2018 में आयोजित हुआ था। इसमें कहा गया था कि हर साल दीक्षांत समारोह कराकर छात्रों को डिग्री दी जाएगी, जिससे उनका समय बचेगा। लेकिन वर्ष 2020 में कोरोना के कारण समारोह नहीं कराया जा सका। विश्वविद्यालय के प्रस्ताव पर राजभवन ने कन्वोकेशन का डीम्ड डेट दे दिया, जिसके आधार पर वर्ष 2019 और 2020 की डिग्री जारी कर दी गई। इसके बाद 2021 से कोई आयोजन नहीं हो सका। पिछले साल राजभवन को दीक्षांत समारोह के लिए प्रस्ताव भेजा गया। इस साल भी राजभवन में भी पत्र भेजा गया। उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव के बाद राजभवन से स्वीकृति मिल जाएगी। इसके आधार पर ही डिग्री के लिए आने वाले छात्रों से कहा जाता था कि जुलाई-अगस्त तक सबको डिग्री मिल जाएगी। लेकिन अब तक इसको लेकर कोई जानकारी नहीं है।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE:11.09.2024, PAGE-05

समय पर परीक्षा व रिजल्ट प्राथमिकता : परीक्षा नियंत्रक

मुजफ्फरपुर | विश्वविद्यालय अतिथि प्राध्यापक संघ के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुब्बा लाल पासवान से मिलकर बधाई दी। परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि छात्र हित में समय पर परीक्षा व पेंडिंग रहित समय पर रिजल्ट हमारी प्राथमिकताओं में है। परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारु और निष्पक्ष संचालन के लिए हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। । मौके पर संघ के अध्यक्ष डॉ. ललित किशोर, डॉ. राघव कुमार, डॉ. नितेश कुमार, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सर्वेश्वर कुमार, डॉ. राकेश रंजन, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार आदि समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सीनियर स्केल एकेडमिक लेवल में 298 शिक्षकों को प्रमोशन

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में 21 विषयों के 298 शिक्षकों को ग्रेड पे लेवल 10 से 11 में प्रमोशन दिया गया है। कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पात्रता पूरी करने वाले शिक्षकों के प्रमोशन को लेकर 26 जुलाई व 2 सितंबर को स्क्रीनिंग कम इवैलुएशन कमेटी की बैठक हुई थी। इसमें लिए निर्णय के आधार पर मंगलवार को कुलसचिव ने अधिसूचना जारी की। कुछ शिक्षकों को 2020 से प्रमोशन दिया गया है। वहीं, अन्य शिक्षकों को 2021, 2022, 2023 या 2024 से प्रमोशन मिला है। मनोविज्ञान विभाग में सर्वाधिक 32 शिक्षकों को प्रमोशन मिला है। वहीं, इतिहास में 31, फिलॉसफी में 14, होम साइंस में 15, मैथेमैटिक्स में 10, पॉलिटिकल साइंस में 25, जूलॉजी में 9, मैथिली में 2, उर्दू में 11, संस्कृत में 5, सोशियोलॉजी में 1, लॉ में 1, हिंदी में 27, फिजिक्स में 19, केमिस्ट्री में 15, बॉटनी में 10, भूगोल में 14, इकोनॉमिक्स में 28, इंगलिश में 16, इलेक्ट्रॉनिक्स में 2 और कॉमर्स में 10 शिक्षक शामिल हैं।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 11.09.2024, PAGE-05

डिजी लॉकर पर प्रोविजनल अपलोड कर बनाया रिकॉर्ड, डिग्री देने में फिसड्डी

मुजफ्फरपुर | स्टूडेंट्स का प्रोविजनल सर्टिफिकेट डिजीलॉकर पर अपलोड करने में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय प्रदेश भर में पहले स्थान पर है, जबकि डिजिटल डिग्री देने में फिसड्डी साबित हुए। विवि में कई महीनों से कवायद चल रही है। इसके बाद यह स्थिति है। डिजी लॉकर पर मार्कशीट तो एक भी अपलोड नहीं किया जा सका है। हालांकि प्रदेश भर के विवि की रैंकिंग में बिहार विवि की स्थिति ठीक-ठाक बताई गई है। सरकार के रिकॉर्ड के अनुसार पाटलीपुत्र विवि और पटना विवि से अबतक एक भी प्रमाणपत्र डिजीलॉकर पर नहीं डाला गया है। अब तक 1 लाख 86 हजार 493 स्टूडेंट्स का प्रोविजनल डिजीलॉकर पर अपलोड किया जा चुका है। वहीं 1 लाख 86 हजार 531 स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड डिजीलॉकर पर डाला गया है। डिग्री और अंकपत्र अपलोड करने में विवि की स्थिति ठीक नहीं है। अबतक केवल 38 छात्रों की डिग्री अपलोड हुई है, जबकि एक भी अंकपत्र इसपर अपलोड नहीं हुआ है। डिप्लोमा और ट्रांस्क्रिप्टेड को पोर्टल पर अपलोड करने में भी अबतक विश्वविद्यालय का खाता नहीं खुला है। पूरे प्रदेश में डिग्री और कुल रिकार्ड अपलोड करने में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय शीर्ष पर है। यहां से 2.91 लाख स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड और इतने ही स्टूडेंट्स की डिग्री अपलोड की गई है। ओवरऑल परफॉर्मेंस में मौलाना मजहरूल हक अरबी फारसी विश्वविद्यालय लीड कर रहा है। यहां से कुल 2.27 लाख स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड डिजी लॉकर पर डाला गया है।

HINDUSTAN, MUZAFARPUR
DATE : 11.09.2024, PAGE-04

बीआरएबीयू के 298 शिक्षकों का प्रमोशन

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के 298 सहायक प्राध्यापकों का सीनियर स्केल में प्रमोशन हुआ है। सभी विभागों के शिक्षकों का प्रमोशन किया गया है। कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने शिक्षकों की पूरी स्क्रीनिंग के बाद उनका प्रमोशन किया है। लंबे समय से शिक्षकों के प्रमोशन की मांग चल रही थी।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 11.09.2024, PAGE-04

विवि के 298 सहायक प्राध्यापकों को दी ग्रेड पे लेवल में पदोन्नति

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू की ओर से मंगलवार को 21 विषयों के 298 सहायक प्राध्यापकों को ग्रेड पे लेवल 10 से 11 में पदोन्नति दे दी गयी है. कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत जिन सहायक प्राध्यापकों ने इसकी पात्रता पूरी की, उन्हें प्रमोशन दिया गया है. 26 जुलाई व दो सितंबर को हुई स्क्रीनिंग कम इवैल्यूएशन कमेटी की बैठक में लिए निर्णय के बाद कुलसचिव प्रो.अपराजिता कृष्णा ने इसकी अधिसूचना जारी की. बताया गया कि करीब दो महीने से यह मामला लंबित था. जारी अधिसूचना में शिक्षकों के प्रमोशन को प्रभावी माने जाने की तिथि का भी उल्लेख किया गया है. कुछ शिक्षकों को 2020 से और कुछ को 2021, 2022, 2023 व 2024 से प्रमोशन दिया गया है. मनोविज्ञान में सर्वाधिक 32, इतिहास में 31, दर्शनशास्त्र में 14, गृहविज्ञान में 15, गणित में 10, राजनीति विज्ञान में 25, जूलॉजी में 9, मैथिली में 2, उर्दू में 11, संस्कृत में 5, समाजशास्त्र और लॉ में 1-1, हिंदी में 27, भौतिकी में 19, रसायनशास्त्र में 15, बॉटनी में 10, भूगोल में 14, अर्थशास्त्र में 28, अंग्रेजी में 16, इलेक्ट्रॉनिक्स में 2 और कॉमर्स में 10 शिक्षकों के प्रमोशन मिला है.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 11.09.2024, PAGE-04

समस्याओं के निदान को सिंगल विंडो सिस्टम

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू ने छात्र-छात्राओं की समस्याओं को दूर करने को लेकर बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने की दिशा में पहल की है. अब सिंगल विंडो सिस्टम से छात्रों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा. विश्वविद्यालय में इसको लेकर अलग से काउंटर बनाया जाएगा. यहां छात्र-छात्राएं अपनी शिकायत दर्ज करायेंगे. इसकी पावती उन्हें दी जाएगी. इसके साथ ही एक यूनिक आइडी भी मिलेगी. इसकी मदद से वे अपने आवेदन की स्थिति को देख पाएंगे. समस्या का निराकरण होने के बाद मैसेज और फोन कर छात्रों को यह सूचना भी दे दी जाएगी. इसी सप्ताह इसकी अधिसूचना जारी की जाएगी. सिंगल विंडो काउंटर पर परीक्षा विभाग के अनुभवी कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी.छात्र-छात्राओं को मुख्यालय में भटकना नहीं पड़े और वे बिचौलियों के चक्कर में नहीं पड़ें. इसको लेकर उन्हें संबंधित विभाग की जानकारी भी दी जाएगी.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 11.09.2024, PAGE-04

डिजिलॉकर पर प्रोविजनल को जारी करने में बीआरएबीयू सूबे में अव्वल

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

□ एक लाख 86 हजार 493 स्टूडेंट्स का प्रोविजनल डिजिलॉकर पर किया जा चुका अपलोड

□ डिग्री व अंकपत्र अपलोड करने में विवि की स्थिति ठीक नहीं, डिग्री में एलएनएमयू टॉपर

डिजिटल तकनीक को अपनाने और इसकी मदद से छात्र-छात्राओं को सुविधा उपलब्ध कराने में विश्वविद्यालय ने तेजी से कदम आगे बढ़ाया है. कई बिंदुओं पर विवि ने प्रदेश में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है. वहीं कुछ बिंदुओं पर नयी तकनीक को अपनाने में वह पिछड़ रहा है. प्रोविजनल को डिजीलॉकर पर अपलोड करने में बीआरएबीयू प्रदेश भर में पहले स्थान पर है. अबतक 1.86 लाख 493 स्टूडेंट्स का प्रोविजनल डिजीलॉकर पर अपलोड किया जा चुका है. वहीं अबतक 1.86 लाख 531 स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड डिजीलॉकर पर डाला गया है.

डिग्री व अंकपत्र अपलोड करने में विवि की स्थिति ठीक नहीं है. अबतक महज 38 छात्रों की डिग्री व शून्य अंकपत्र इसपर अपलोड हुआ है. डिप्लोमा और ट्रांसक्रिप्टेड को पोर्टल पर अपलोड करने में भी अबतक विवि का खाता नहीं खुला है. पूरे प्रदेश में डिग्री व कुल रिकार्ड अपलोड करने में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय शीर्ष पर है. यहां से 2.91 लाख स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड और इनमें से स्टूडेंट्स की डिग्री अपलोड की गयी है. ओवरऑल परफॉर्मेंस में मौलाना मजरूल हक अरबी फारसी विवि लीड कर रहा है. यहां से कुल 2.27 लाख स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड डिजीलॉकर पर डाला गया है. इसमें से 1.8 लाख स्टूडेंट्स की डिग्री व 1.18 लाख स्टूडेंट्स का अंकपत्र पोर्टल अपलोड है. इस विवि ने स्थापना काल से ही सभी स्टूडेंट्स की डिग्री को डिजीलॉकर पर उपलब्ध करा दिया है. प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में बीआरएबीयू की स्थिति ठीक-ठाक बतायी गयी है. सरकार के रिकॉर्ड के अनुसार पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय व पटना विश्वविद्यालय से अबतक एक भी प्रमाणपत्र डिजिलॉकर पर नहीं डाला गया है.

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 11.09.2024, PAGE-06

प्रोविजनल अपलोड करने में बिहार विश्वविद्यालय प्रदेश में नंबर वन: प्रो. एनके अग्रवाल ने कहा कि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट में 1.86 लाख रिकार्ड अपलोड कर दिए गए हैं। रिकार्ड अपलोड करने में विश्वविद्यालय को प्रदेश में तीसरा स्थान है। वहीं प्रोविजल सर्टिफिकेट अपलोड करने में विश्वविद्यालय को पूरे प्रदेश में पहला स्थान मिला है। अब तक विश्वविद्यालय के 1.86 लाख 492 प्रोविजनल सर्टिफिकेट अपलोड हैं। डिप्लोमा सर्टिफिकेट अपलोड करने में भी विश्वविद्यालय सबसे आगे है। 63 हजार 94 एबीसी में स्टोर हैं।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 11.09.2024, PAGE-06

आत्महत्या का सर्वाधिक प्रमुख कारण अवसाद : डा. रजनीश

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डा. रजनीश कुमार गुप्ता ने कहा कि आत्महत्या का सर्वाधिक प्रमुख कारण अवसाद है। सच्चे मित्र का अभाव और अभिभावकों, रिश्तेदारों का बच्चों से अनुचित उम्मीद, तिरस्कार और डांट-फटकार, बेरोजगारी की मार आत्महत्या की प्रवृत्तियों को बढ़ाने में प्रमुख कारण हैं। वे मंगलवार को पीजी मनोविज्ञान विभाग में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर आत्महत्या जागरूकता व्याख्यान में बोल रहे थे। डा. आभा रानी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति आमजनों में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। डा. तुलिका ने आत्महत्या जागरूकता पर आधारित मूक अभिनय, लघु नाटिका का मंचन कराया। धन्यवाद ज्ञापन डा. सुनीता कुमारी ने किया।

योग और भगवद गीता को जीवन में उतारने की जरूरत

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: आरबीबीएम कालेज के पीजी मनोविज्ञान विभाग में मंगलवार को आत्महत्या रोकथाम दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डा. राजीव श्रीवास्तव ने आत्महत्या से बचने के लिए योग और भगवद गीता को जीवन में उतारने की बात कही। कालेज की प्राचार्य डा. ममता रानी ने कहा कि प्रकृति से जुड़े लोग कभी आत्महत्या नहीं करते।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:11.09.2024, PAGE-06

सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था शीघ्र

छात्र-छात्राओं की मांग पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया फैसला, मिलेगी राहत

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए सिंगल विंडो सिस्टम शुरू होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में काउंटर बनाया जाएगा। यहां छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन जमा होंगे। साथ ही विभिन्न विभागों की जानकारी भी विद्यार्थियों को यहीं से मिलेगी। यह सुविधा जल्द ही शुरू हो जाएगी। सबकुछ ठीक रहा तो इस सप्ताह को विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। यहां परीक्षा विभाग के अनुभवी कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति होगी। वे छात्र-छात्राओं की समस्याओं के निराकरण के लिए उन्हें उचित सलाह देंगे और समस्याओं को संबंधित विभाग तक पहुंचाएंगे। परीक्षा विभाग की कोशिश है कि छात्र-छात्राओं को जानकारी के लिए कहीं भटकना नहीं पड़े। छात्र-छात्राओं की मांग पर यह व्यवस्था शुरू की जा रही है।

- समस्याओं के निराकरण के लिए जमा होंगे आवेदन, मिलेगी सलाह
- काउंटर पर होगी परीक्षा विभाग के अनुभवी कर्मचारियों की तैनाती

डिग्री और स्नातक परिणाम पर कमेटी की निर्णय: पीजी प्रथम सेमेस्टर और टीडीसी पार्ट टू के परिणाम में गड़बड़ी के बाद छात्र-छात्राओं की ओर से पुनर्मूल्यांकन कराए जाने की मांग पर जल्द ही विश्वविद्यालय फैसला लेगा। बताया जा रहा है कि रिजल्ट पर निर्णय लेने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कमेटी का गठन किया जाएगा। इसमें डीन, विभागाध्यक्ष और संबंधित विषय के वरीय शिक्षक को शामिल किया जा सकता है। कमेटी की अनुशंसा के आधार पर ही विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से फैसला लिया जाएगा। इससे पहले पीजी थर्ड सेमेस्टर के रिजल्ट में भी गड़बड़ी सामने आई थी। इसके बाद भी कमेटी का गठन किया गया था। इसके बाद कमेटी की रिपोर्टिंग करनी रही। इसमें कई छात्र-छात्राओं के अंक बढ़ गए। इसके बाद रिजल्ट में संशोधन किया गया। पीजी प्रथम सेमेस्टर, टीडीसी पार्ट टू और पार्ट वन के बाद थर्ड सेमेस्टर के रिजल्ट की जांच की जा रही है। पिछले पांच दिनों में सैकड़ों छात्रों ने अस्थाई के तहत कमेटियों की शिकायत प्रति हासिल करने के लिए आवेदन किया है।

विश्वविद्यालय के 21 विषयों के 298 शिक्षकों का ग्रेड पे लेवल में प्रमोशन, अधिसूचना जारी

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में लंबे इंतजार के बाद शिक्षकों का प्रमोशन हो गया है। 21 विषयों के 298 शिक्षकों को ग्रेड पे लेवल 10 से 11 में प्रोन्नति दी गई है। रजिस्ट्रार डा. अपराजिता कृष्णा ने मंगलवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। लंबे समय से शिक्षकों का प्रमोशन पेंडिंग था।

मनोविज्ञान में सबसे अधिक 32 शिक्षकों को प्रमोशन मिला है। वहीं इतिहास में 31 शिक्षक, दर्शनशास्त्र में 14, होम साइंस में 15, गणित में 10, राजनीतिविज्ञान में 25, जूलाजी में 9, मैथिली में दो, उर्दू में 11, संस्कृत में पांच, समाजशास्त्र में एक, ... में एक, हिंदी में 27, भौतिकी में 19, केमिस्ट्री में 15, बाटनी में 10, भूगोल में 14, अर्थशास्त्र में 28, अंग्रेजी में 16, इलेक्ट्रानिक्स में दो, कामर्स में 12 शिक्षकों के प्रमोशन हुआ है। उल्लेखनीय है कि शिक्षकों के प्रमोशन को लेकर लंबे समय से विश्वविद्यालय में प्रक्रिया चल रही थी। पिछले दिनों अंतिम स्टेज तक पहुंचने के बाद कुछ शिक्षकों के दस्तावेजों में त्रुटि होने के कारण दुबारा जांच की गई। इस कारण अधिसूचना जारी करने में देरी हुई है। दूसरी ओर शिक्षक संघ के प्रतिनिधि लगातार प्रमोशन संबंधी अधिसूचना जारी करने की मांग कर रहे थे।